MAHD-10

June - Examination 2017

M. A. (Final) Hindi Examination

जनसंचार माध्यम और पत्रकारिता

Paper - MAHD-10

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

निर्देश : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 30 शब्दों में एक शब्द में या एक वाक्य में सीमित कीजिए।

1) (i) रेडियो–लेखन के प्रमुख उपकरण बताइए।

(ii) 'फेड आउट' किसे कहते है?

(iii) जनसंचार मे संम्प्रेषनीय सिद्धान्त से आप क्या समझते हैं?

(iv) जनसंचार के कोई चार माध्यमों का नामोल्लेख कीजिए।

(v) फीचर लेखन किसे कहते हैं?

(vi) 'पत्रकारिता' से आप क्या समझते हैं?

(vii) 'सज्जन कीर्ति सुधाकर' साप्ताहिक का प्रकाशन कब और किसके संरक्षण में हुआ?

(viii) स्वतंत्रता आन्दोलन को गति देनेवाला राजस्थान का प्रमुख पत्र 'मीरा' कहाँ से छपता था?

(खण्ड – ब) $4 \times 8 = 32$

लघु उत्तरीय प्रश्न

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्ही **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 08 अंक निर्धारित हैं।

2) जनसंचार की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए इसकी विशेषताएँ बताइए।

3) जनसंचार की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

4) जनसंचार माध्यमों का उल्लेख करते हुए समाज के विकास में उनके योगदान को समझाइए।

5) जनसंचार में श्रोता, पाठक और दर्शक वर्ग की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

6) विश्व पत्रकारिता किसे कहते हैं? स्पष्ट कीजिए।

7) जनसंचार के विविध आयामों का वर्णन कीजिए।

8) हिन्दी पत्रकारिता के वर्तमान पक्ष पर प्रकाश डालिए।

9) भाषायी पत्रकारिता का अर्थ और स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक निर्धारित हैं।

10) जनसंचार माध्यमों के संस्थानीकरण से आप क्या समझते हैं? संस्थानीकरण की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

11) जनसंचार के सामाजिक सिद्धान्तों का विवेचन कीजिए।

12) जनसंचार माध्यमों की परम्परा का उल्लेख करते हुए इसकी विकास प्रक्रिया को उजागर कीजिए।

13) निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

क) जनसंचार और स्त्री–विमर्श

ख) जनसंचार और शिक्षा

ग) जनसंचार और साहित्य

क) जनसंचार और समकालीन परिदृश्य